

# পাট ও সমবর্গীয় তন্তু ফসল চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ত্রিজাফ, নীলগঞ্জ, ব্যারাকপুর

২৩ জুলাই - ৬ আগস্ট, ২০২২ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ১৪/২০২২)



ভা.কৃ.অ.প. -কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান সংস্থান  
**ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers**

*An ISO 9001: 2015 Certified Institute*

Barrackpore, Kolkata-700121, West Bengal

[www.icar.crijaf.gov.in](http://www.icar.crijaf.gov.in)



पाट ओ सहयोगी फसल उतुपादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श  
२३ जुलाई - ७ आगस्ट, २०२२

I. पाट उतुपादनकारी राज्याणुलिर एइ समयेर सञ्जाव्य आवहाओयार परिस्थिति

राज्या/ कृषि-जलवायु अणुखल/ जेला	आवहाओयार पूर्वाभास
गाङ्गेय पश्चिमवङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हगली, हाओडा, उतुतर २४ परगना, पूर्व बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, दक्षिण २४ परगना, बाँकुडा, वीरभूम हिमालय सन्निहित पश्चिमवङ्ग	आगामी २३-२७ जुलाई वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान १५ मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३३-३५ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २५-२१ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे। आगामी २३-२७ जुलाई वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान १० मिलिमिटांर पर्यन्त)। एइ अणुखले सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३४ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
दार्जिलिङ्ग, कोचबिहार, आलिपुरदुयार, जलपाईणुडि, उतुतर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा आसामः मध्य ब्रह्मपुत्र उतुपत्याका ऋेत्र मरिगाँओ, नओगाँओ	आगामी २३-२७ जुलाई वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान २५ मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३५-३१ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २४-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
आसामः निम्न ब्रह्मपुत्र उतुपत्याका ऋेत्र गोय्यालपाडा, धुवडि, कोकडावाडा, बङ्गईगाँओ, बरपेटा, नलवाडि, कामरुप, बाङ्गा, चिराङ्ग	आगामी २३-२७ जुलाई वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान ३० मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३०-३३ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अणुखल २ (उतुतर-पूर्व अणुखल) पूरुणिया, काटिहार, सहर्ष, सुपौल, माधेपुरा, खागारिया, आरारिया, किषाणगङ्ग	आगामी २३-२७ जुलाई वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान ४० मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३०-३४ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २१-२३ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
उडिष्याः उतुतर-पूर्व तटीय समभूमि वालेश्वर, भद्रक, जाजपुर	आगामी २३-२७ जुलाई वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान १०० मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३५ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २४-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
उडिष्याः उतुतर-पूर्व ओ दक्षिण-पूर्व समतल अणुखल केन्द्रपाडा, खुर्दा, जगत्सिंहपुर, पूरुी, नयागड, कटक (आंशिक) एवंग गङ्गाम (आंशिक)	आगामी २३-२७ जुलाई वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान १० मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३४ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २४-२१ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।

तथ्या सत्रः भारतीय आवहाओया विभाग (<http://mausam.imd.gov.in> एवंग [www.weather.com](http://www.weather.com))



## II. पाट फसलेंर जन्य कृषि परामर्श

१। २७ एप्रिल - १० मे तारिखेंर मध्ये लागानो पाटेंर जन्य (फसलेंर वयस ९०-१०५ दिन)

- चाषिदेंर परामर्श देओया हछे ये, यदि सठिक समये (१२० दिन वयसे) पाट काटा यावे मने हय, तवे एहि समये फसल सुरक्षार जन्य आर किछु करार दरकार नेह। तवे यदि पाट काटते देरि हय, तवे बिहापोकार आक्रमण बिषये सतर्क थाकबेन।
- एहि अवस्थाय जमिंते जल दाँडिंये थाकले, काशु ओ गोड़ा पचा रोग वाडते पारे। तहि जल निकाशिर व्यवस्था करुन। रोगाक्रान्त पाट ओ बेशि सरु पाट तुले फेलुन, एते फलने बेशि तारतम्य हवे ना।
- यदि जमा जल बेर करा संभव ना हय, तवे १००-११० दिन वयसेर पाट केटे फेलुन, एते स्वाभाविक फलनेर ९०-८० शतांश पाओया यावे एवंग खरचेर बेशिरभागटाई उठे आसवे। येहेतु ए अवस्थाय जल दाँडानो थाकवे, तहि पाता बरानोर जन्य जमिंते पाट राखा यावे ना। एहि परिस्थितिंते पाट पचानोर ट्याक्सेर जलेंर गभीरता बुवे २-३ सुत्रे जाक साजाते हवे।
- कला गाछेर काशु जाकेर उपर भार हिसाबे देबेन ना। जाकेर उपर सरासरि माटिर चाँई देओयार प्रबनता एडिंये चलते हवे; परिवर्ते सारेर वा सिमेंटेर पुरानो वस्तुय माटि भरे, दडिं दिंये मुख बंध करे जाकेर उपर किछु दूरे दूरे भार हिसाबे व्यवहार करा यावे। जाकेर उपर कला गाछ ओ माटि सरासरि व्यवहार करले कालो रंगेयेंर निम्नमानेर आँश पाओया याय।
- चाषिरा एक बिधा जमिर पाट जाग दिंते ४ किलोथाम वा हेक्टेरे ३० किलोथाम हिसाबे क्राइजाफ सोना व्यवहार करते पारेंन; एते आँशेंर गुनमान अनेकटाई उन्नत हवे, मोट फलने वृद्धि हवे ओ बाजारेंर भालो दाम पाओया यावे। जाक तैरिीर समय प्रतयेक सुत्रे क्राइजाफ सोना एमन भावे प्रयोग करते हवे, याते पाटेंर गोड़ा दिंके एकटु बेशि परिमाने ओ डगार दिंके अपेक्षाकृत कम परिमाने देओया हय।



१००-११० दिन वयसेर पाट



वृष्टिंर पारे यदि दिनेर तापमात्रा वाडे ओ वातासे जलीय वाष्पेंर परिमान बेडे याय - एहि अवस्थाय सुँयोपोकार आक्रमण हय। एरा द्रुत छडिंये पडे। चाषिरा नजर करे एदेंर डिम आर शुक्कीट सह सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। प्रयोगने ल्यामडा सायालोथिन् (५ ईसि) १ मिलिलिंटेर वा इन्डुक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिंटेर/ प्रति लिंटेर जले मिशिंये प्रयोग करते हवे।

निचु जमिर फेक्रे यदि जमिर जमा जल बेर करा संभव ना हय, एमन जरुरि अवस्थाय ९०-१०० दिन वयसेर पाट केटे निन।

पाट काटार पर काछाकाछि पुकुरे वा डोवाय जाक साजानो

२। ११-२५ एप्रिल तारिखेर मध्ये लागानो पाटेर जन्य (फसलेर वयस १०५-१२० दिन)

- चाषिदेर परामर्श देओया हछे ये, यदि सठिक समये (१२० दिन वयसे) पाट काटा यावे मने हय, तवे এই समये फसल सुरक्षार जन्य आर किछु करार दरकार नेई। तवे यदि पाट काटते देरि हय, तवे बिछापोकार आक्रमण बिषये सतर्क थाकबेन।
- এই अबस्थाय जमिंते जल दाँडिंये थाकले, काशु ओ गोड़ा पचा रोग वाडते पारे। तई जल निकाशिर ब्यवस्था करुन। रोगाक्रान्त पाट ओ बेशि सरु पाट तुले फेलुन, एते फलने बेशि तारतम्य हवे ना।
- यदि जमा जल बेर करा संभव ना हय, तवे १००-११० दिन वयसेर पाट केटे फेलुन, एते स्वाभाविक फलनेर ९०-८० शतांश पाओया यावे एवंग खरचेर बेशिर्भागटाई उठे आसवे। येहेतु ए अबस्थाय जल दाँडानो थाकवे, तई पाता बरानोर जन्य जमिंते पाट राखा यावे ना। এই परिस्थितिंते पाट पचानोर ट्याक्सेर जलेर गभीरता बुबे २-३ सुतरे जाक साजाते हवे।
- येहेतु पाट पुर्णवयस्क हये गेछे (१२० दिन), चाषिरा पाट केटे निंते पारेन। पाट काटार परे ३-४ दिन जमिंते पाता बरार जन्य खाँडा भावे दाँड करिंये राखते हवे। এই बरा पाता पचे, जमिं थेके नेओया खाद्योपादान किछुटा जमिंतेई फिरिंये देवे। पाट ठिकमतो पचार जन्य काटा पाट थेके छाट पाट (१.५ मिटारेर कम लम्बा) बेछे वाद दिन।
- कला गाछेर काशु जाकेर उपर भार हिसावे देबेन ना। जाकेर उपर सरासरि माटिर टाँई देओयार प्रबनता एडिंये चलते हवे; परिवर्ते सारेर वा सिमेंटेर पुरानो वस्तुय माटि भरे, दडिं दिंये मुख बन्ध करे जाकेर उपर किछु दूरे दूरे भार हिसावे ब्यवहार करा यावे। जाकेर उपर कला गाछ ओ माटि सरासरि ब्यवहार करले कालो रंयेर निम्नमानेर आँश पाओया याय।
- चाषिरा एक बिषा जमिर पाट जाग दिंते ४ किलोथाम वा हेक्टेरे ३० किलोथाम हिसावे क्राइज्याफ सोना ब्यवहार करते पारेन; एते आँशेर गुनमान अनेकटाई उन्नत हवे, मोट फलने वृद्धि हवे ओ बाजारे ভালो दाम पाओया यावे। जाक तैरिीर समय प्रत्येक सुतरे क्राइज्याफ सोना एमन भावे प्रयोग करते हवे, याते पाटेर गोड़ा दिंके एकटु बेशि परिमाने ओ डगार दिंके अपेष्काकृत कम परिमाने देओया हय।



(१) १२० दिन वयसेर पाट काटा



(२) पाता बरानोर जन्य पाटेर बाँडल राखा हयेछे



(३) जाक तैरिी



(४) जाकेर उपर क्राइज्याफ सोना प्रयोग करा हछे, एते पाटेर गुनमान ভালो हवे एवंग पाटेर पचनकाल कमवे



(५) पाटेर जाक जले डोबानोर जन्य सिमेंटेर पुरानो वस्तुय बालि, पाथर, माटि इत्यादि भरे देओया हछे



(६) बिकल भार हिसावे, प्लास्टिकेर ब्यागे जल भरे मुख बन्ध करे देओया



३। समयमत्तो लागानो पाटि (२५ मार्च - १० एप्रिल)ः फसलेर वयस १२०-१३५ दिन

- पाटि काटार परे सुविधाजनक आकारेर बाण्डिल बानिये निन, ७ बाण्डिलगुलि ७-८ दिन जमिंते पाता बरारर जन्य खाँडा भावे दाँड करिये राखते हवे। एहि बरा पाता पचे, जमिं थेके नेओया खाद्योपादान किछुटा जमिंतेहि फिरिये देवे। पाटि पचारर जन्य काछाकाछि जलाशये जाक देवारर जन्य निये येते हवे।
- कला गाछेर काष्ठ जाकेर उपर भार हिसावे देवेन ना। जाकेर उपर सरासरि माटिंर चाँहि देओयार प्रबनता एडिये चलते हवे; परिवर्ते सारेर बा सिमेंटेर पुरानो बस्तुय माटिं भरे, दडिं दिये मुख बन्ध करे जाकेर उपर किछु दूरे दूरे भार हिसावे व्यवहार करी यावे। जाकेर उपर कला गाछ ७ माटिं सरासरि व्यवहार करले कालो रंगेर निम्नमानेर आँश पाओया याय।
- पाटेर जाकेर उपर बिकन्न भार हिसावे, प्लास्टिकेर ब्यागे जल भरे मुख बन्ध करे देओया येते पावे।
- चायिरा एक बिधा जमिंर पाटि जाग दिते ४ किलोग्राम बा हेक्टेरे ३० किलोग्राम हिसावे क्राइजफ सोना व्यवहार करते पावेन; एते आँशेर गुनमान अनेकटाँहि उन्नत हवे, मोट फलने बृद्धि हवे ७ बाजारे भालो दाम पाओया यावे। जाक तैरीर समय प्रत्येक सुते क्राइजफ सोना एमन भावे प्रयोग करते हवे, याते पाटेर गोडार दिके एकटू बेशि परिमाने ७ डगार दिके अपेक्षाकृत कम परिमाने देओया हय।

पाटेर आँश छाडानो ७ शुकानो

- क्राइजफ सोना दिये पाटि पचानो हले, १०-१६ दिनेर मध्ये पचन सम्पूर्ण हवे। पचानो हले आँश छाडिये निन, जले धुये, रौंदे शुकिये निते हवे।



१२० दिन वयसेर पाटि काटा ७ बाण्डिलगुलि जमिंते ७-८ दिन पाता बराररर जन्य राखते हवे



काछाकाछि जलाशये जाक तैरी ७ तार उपर क्राइजफ सोना प्रयोग



सहजे पाओया गेले कचुडिपाना दिये पाटेर जाक टेके दिले, आँशेर मान भालो हय



पाटेर जाक जले डोबानोर जन्य सिमेंटेर पुरानो बस्तुय बालि, पाथर, माटिं इत्यादि भरे देओया हछे



बिकन्न भार हिसावे, प्लास्टिकेर ब्यागे जल भरे मुख बन्ध करे जाकेर उपर देओया



देखते हवे पाटेर जाक येन ठिक मतो जले डुबे थाके



१। आँश छाडानो ७ धोया, २। रौंदे शुकानो, ३। बाण्डिल बानानो

### III. अन्यान्य सहयोगी तन्त्र फसलें कृषि परामर्श

(क) शणपाट / सानहेम्प



१। मे मासेर ११-२५ तारिखेर मध्ये लागानो शणपाटः फसलें वयस १०-८५ दिन

- शणपाट अक्षले आवहाओयार पूर्वाभास अनुसारे सर्वोच्च तापमात्रा ३१-३४ डिग्रि ओ सर्वनिम्न तापमात्रा २७-२९ डिग्रि থাকते पारे एवं आगामी एक सप्ताहे भारी वृष्टिर् सञ्जावना, तौई एर जन्य प्रसुत थोकुन ।
- वर्षार प्रभावे यदि বেশि वृष्टि हय, सेखाने जल जमे धसा (भास्कुलार उईल्ट) रोगेर प्रकोप हते पारे। ए अवस्थाय अतिरिक्त जल निकाशि करे बेर करे दिते हवे।
- गरम आवहाओया ओ पाता खुब घन हये गेले, शुँयोपोकार आक्रमण विषये चाषिदेर सतर्क থাকते हवे। यदि पोकार आक्रमण বেশि हय, तवे ल्यामडा साईहालोथ्रिन ५ ईसि १ मिलि प्रति लिटार जले वा इन्डक्कार्ब १४.५ एससि १ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।



८०-८५ दिन वयसेर फसल



जमि थेके जल बेर करा हछे



२। एप्रिले २७ - मे मासे १० तारिखे मध्ये लागानो शणपाटः फसले ८५-१०० दिन

- ९०-१०० दिन वयसे शणपाट केटे नेओया येते पारे। कास्ते दिये गोडा थेके केटे १५-२० सेन्टिमिटर आकारे वान्डिल वेँधे निते हवे, एते पचाते ७ आँश धुते सुविधा हवे। शणपाटे डगार नरम अंशटा केटे गोखाद्य हिसावे वा माटिते मिशिये सबुज सार हिसावे व्यवहार करा येते पारे।
- शणपाटे वान्डिलगुलि पाशापाशि आनुभूमिक भावे रेखे सुविधाजनक आकारे पाटातने मतो करे, वाँश दिये वेँधे वा भार चापिये जले २०-२५ सेन्टिमिटर निचे डुबिये देओया हय। तापमात्रा अनुसार पचन हते साधारणत ३-५ दिन लागे। काठि थेके सहजे आँश छाडानो याच्छे कि ना देखे - पचन सम्पूर्ण हय्ये बौबा यय।



९०-१०० दिन वयसे शणपाट काटा



काटा शणपाटे वान्डिल तैरी



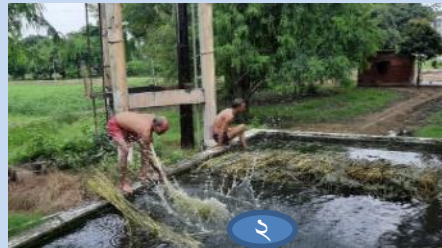
काहाकाहि जलाशये जाक तैरी

३। एप्रिले मारामासि समये लागानो शणपाटः फसले १००-११५ दिन

- चाषिदे, जाक सम्पूर्ण हय्ये कि ना ता परख करार परामर्श देओया हय्ये। यदि जाक हय्ये थाके, तवे वान्डिलगुलि ३-४ वार जले उपर धाका वा वाडि दिते हवे, एते अतिरिक्त लिगनि बेरिये यावे। परे जले रेखे आगे-पिछे करे परिक्षार करे, थोया वान्डिलगुलि खाँडा करे राखते हवे, याते आँश ७ काठि थेके जल वारे यय।
- वान्डिले जल वारे गेले, काठि थेके आँश गोडा थेके डगार दिके छाडिये निते हवे। छाडानो आँश रोदे शुकिये वान्डिल करे वाजारजात करते हवे।



१



२



३



४



५

१,२,३। पचानो वान्डिल जले वाडा, आँश जले थोया, ४। आँश आलादा करा, ५। आँश शुकानो

খ। মেস্তা



কেনাফ / জলমেস্তা



রোজেল মেস্তা

১। জুন মাসের মাঝামাঝি লাগানো মেস্তা : ফসলের বয়স ৪০-৫৫ দিন

- জলীয় গরম আবহাওয়ায় কান্ড ও গোড়া পচা রোগের প্রাদুর্ভাব হতে পারে, যা বৃষ্টির সময় দ্রুত ছড়িয়ে পড়ে। জল জমা থেকে ফসল বাঁচান এবং নিকাশি ব্যবস্থা করুন। কপার অক্সিক্লোরাইড (৫০ শতাংশ) ৪-৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে গাছের গোড়ার দিকে স্প্রে করতে হবে।
- মেস্তার পাতার ধার থেকে শুরু হয়ে ক্রমশ ভিতর দিকে পাতার ফোমা বলসা রোগ হতে পারে। বেশি প্রাদুর্ভাব হলে, পাতা ঝরে যেতে পারে। রোগের আক্রমণ প্রতিহত করতে- কপার অক্সিক্লোরাইড (৫০ শতাংশ) ৪-৫ গ্রাম বা ম্যানকোজেব ২ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে স্প্রে করতে হবে।
- খরার পরিস্থিতি চলতে থাকলে, দইয়ে পোকাকার (মিলিবাগ) আক্রমণ হতে পারে। যদি এক জায়গায় অনেক দইয়ে পোকাকার কলোনী দেখা যায় তবে তা নষ্ট করে, পাতায় প্রোফেনোফস্ ৫০ ইসি, ২ মিলি প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে।



৬০ দিন বয়সের ফসল



মেস্তার ফোমা পাতা বলসা রোগ

২। জুন মাসের প্রথম সপ্তাহে লাগানো মেস্তা (ফসলের বয়স ৪৫-৬০ দিন)

- জলীয় গরম আবহাওয়ায় কান্ড ও গোড়া পচা রোগের প্রাদুর্ভাব হতে পারে, যা বৃষ্টির সময় দ্রুত ছড়িয়ে পড়ে। জল জমা থেকে ফসল বাঁচান এবং নিকাশি ব্যবস্থা করুন। কপার অক্সিক্লোরাইড (৫০ শতাংশ) ৪-৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে গাছের গোড়ার দিকে স্প্রে করতে হবে।
- মেস্তার পাতার ধার থেকে শুরু হয়ে ক্রমশ ভিতর দিকে পাতার ফোমা বলসা রোগ হতে পারে। বেশি প্রাদুর্ভাব হলে, পাতা ঝরে যেতে পারে। রোগের আক্রমণ প্রতিহত করতে- কপার অক্সিক্লোরাইড (৫০ শতাংশ) ৪-৫ গ্রাম বা ম্যানকোজেব ২ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে স্প্রে করতে হবে।



৬০-৭৫ দিন বয়সের মেস্তা



গোড়া ও কান্ড পচা রোগ



মেস্তার ফোমা পাতা বলসা রোগ



३। मे मासेर माबाभाबि लागानो मेस्ता : फसलेर वयस ७०-९५ दिन

- जल जमा थेके फसल बाँचान एवं निकाशि व्यवस्था करुन, एते फसल विभिन्न जैविक ओ अजैविक चाप थेके मुक्त थाके। जल जमा थाकले कान्ठ ओ गोड़ा पचा रोगेर प्रादुर्भाव हते पारे। कपार अक्लिक्कोराइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये गाछेर गोड़ार दिके स्प्रे करते हवे।
- मेस्तार पातार धार थेके शुरू हये क्रमश भितर दिके पातार फोमा बलसा रोग हते पारे। जलीय आवहाओयाय बेशि प्रादुर्भाव हले, पाता बारे येते पारे। रोग शतकरा ५ भागेर बेशि हले, रोगेर आक्रमण प्रतिहत करते- कपार अक्लिक्कोराइड (५० शतांश) ४-५ ग्राम वा म्यानकोजेव २ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- किछु किछु मेस्ता चाषेर अषणले सादा माछि द्वारा बाहित हये पाता हलुद हये याओया मोजेईक रोग (चाषिरा साहेव रोग बले) देखा दिते पारे। एरकम बेशि हले, कीटनाशक येमन- इमिडाक्कोरपिड (१९.८ एस.एल) प्रति लिटार जले ०.५-१.० मिलिलिटार हिसाबे मिशिये प्रयोग करते हवे, फले रोग बहनकारी सादा माछि कमबे ओ एई रोग छडाते पारबे ना।



७० दिन वयसेर फसल



गोड़ा ओ कान्ठ पचा रोग



मेस्तार फोमा पाता बलसा रोग



पाता हलुद हओया मोजेईक रोग आक्रमण मेस्ता जमि

## ग) सिसाल

**भूमिका:** सिसाल (एगोड सिसालाना) प्राय-वहवर्षजीवी पाता থেকে तন্ত उत्पादनকারী মরুজাতীয় উদ্ভিদ। সিসালের তন্ত থেকে তৈরী দড়ি বিভিন্ন ধরনের জলযান (জাহাজ, লঞ্চ, বড় নৌকা ইত্যাদি) বাঁধার কাজে ব্যবহৃত হয়। ব্রাজিল সিসাল তন্ত উৎপাদনে ও রপ্তানিতে প্রথম স্থান অধিকার করে, আর চীন সব থেকে বেশি সিসাল আমদানি করে। ভারতের উড়িষ্যা, তেলঙ্গানা, কর্ণাটক, মহারাষ্ট্র ও পশ্চিমবঙ্গের মরুপ্রায় অঞ্চলে সিসাল চাষ হয়ে থাকে। ভারতে সিসালের মোট জমির পরিমাণ প্রায় ৭৭৭০ হেক্টর, যার মধ্যে ৪৮১৬ হেক্টর সিসাল, মাটি ও জল সংরক্ষণের জন্য ব্যবহৃত হয়। ভারতে সিসালের হেক্টর প্রতি গড় উৎপাদন অনেকটাই কম (৬০০-৮০০ কেজি), তবে সঠিক পদ্ধতি অনুসরণ করে চাষ করতে পারলে হেক্টর প্রতি উৎপাদন অনেকটাই বাড়ানো সম্ভব (২০০০-২৫০০ কেজি)। এই ফসলে জলের প্রয়োজন অনেক কম এবং মধ্যভারতের মালভূমি অঞ্চলের মাটি ও আবহাওয়া (সর্বোচ্চ তাপমাত্রা ৪০-৪৫ ডিগ্রি, বৃষ্টিপাত ৬০-১০০ সেমি) সিসালের জন্য উপযোগী, ও গ্রামীণ অঞ্চলের আর্থিক ও সামাজিক উন্নয়ণে বিশেষ সহায়ক হতে পারে। সিসাল চাষ এই অঞ্চলের উপজাতি মানুষদের জীবিকা সরাসরি ও কর্মসংস্থানের মাধ্যমে উন্নয়ণ করতে পারে। এছাড়াও সিসাল বৃষ্টির জলের বয়ে যাওয়া অপচয় ৩৫ শতাংশ ও ভূমিক্ষয় ৬২ শতাংশ কম করতে সক্ষম।

**বুলবিল সংগ্রহ:** সিসাল গাছের ফুলের দণ্ড (যাকে পোল বলা হয়) বের হবার পর সিসালের বৃদ্ধি বন্ধ হয়ে যায়। প্রত্যেকটি পোলে প্রায় ২০০-৫০০ টি ছোট ছোট বুলবিল হয়, এদের প্রত্যেকটিতে ৪-৬ টি ক্ষুদ্র পাতা থাকে। এই বুলবিলগুলি সংগ্রহ করে প্রাথমিক নার্সারিতে লাগানো হয়।

**প্রাথমিক নার্সারির প্রস্তুতি:** সংগৃহীত বুলবিলগুলি অতি যত্নের সঙ্গে প্রাথমিক নার্সারিতে লাগানো হয়। এই নার্সারির ১ মিটার চওড়া কিছুটা উঁচু করা জমিতে, বুলবিলগুলি ১০-৭ সেমি. দূরে দূরে লাগানো হয়। নার্সারির জমির মাটিতে খামার সারের পাশাপাশি রাসায়নিক সার এনএপিএকে - ৩০ঃ১৫ঃ৩০ কিলো প্রতি হেক্টরে হিসাবে প্রয়োগ করতে হবে। বুলবিলগুলি প্রথম দিকে আগাছার সঙ্গে প্রতিযোগিতায় পেলে ওঠে না, এবং জলের অভাব হতে পারে, তাই আগাছা দমন করতে হবে ও প্রয়োজনে জল সেচের ও অতিরিক্ত জল নিকাশির ব্যবস্থা করতে হবে।

### মাধ্যমিক নার্সারির পরিচর্যা

➤ নার্সারির জল নিকাশি ব্যবস্থা করবেন ও নার্সারি আগাছা মুক্ত রাখবেন। সুস্থ সাকার পাবার জন্য মেটালাক্সিল ২৫ শতাংশ এবং ম্যানকোজেব ৭২ শতাংশ মিশ্রণ ০.২৫ শতাংশ হারে স্প্রে করে অন্তরবর্তী পরিচর্যা করতে হবে। উদ্ভিদ খাদ্যোপাদান যোগান ও আগাছা দমনের জন্য সিসাল কম্পোস্ট ব্যবহার করা যেতে পারে। যে সব চাষীদের মাধ্যমিক নার্সারি তৈরী বাকি আছে, তারা প্রাথমিক নার্সারিতে বড় করা বুলবিল, মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫০-২৫ সেমি দূরত্বে লাগাবেন। বুলবিল লাগানোর আগে পুরানো পাতা ও শিকড় কেটে বাদ দিয়ে ২০ মিনিট ম্যানকোজেব (৬৪ শতাংশ) ও মেটালাক্সিল (৮ শতাংশ) মিশ্রণ ২.৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। এক হেক্টর নার্সারিতে ৮০,০০০ সাকার লাগানো যায় তবে শেষ পর্যন্ত ৭২,০০০-৭৬,০০০ সাকার বাঁচে। ধরে নেওয়া হয় যে মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫-১০ শতাংশ চারা মরতে পারে।

### সিসালের মূল জমি থেকে সাকার সংগ্রহ

➤ প্রাথমিক ও মাধ্যমিক নার্সারির মাধ্যমে বুলবিল থেকে সাকার তৈরীর পাশাপাশি, আগে থেকে লাগানো সিসালের মূল পুরানো জমি থেকে সাকার সংগ্রহ করা যাবে। সাধারণত একটি সিসাল গাছ থেকে বছরে ২-৩ টি সাকার পাওয়া যায়। বর্ষার শুরুতে এইসব উপযুক্ত সাকার তুলে - সরাসরি নতুন মূল জমিতে লাগানো যাবে। সাকার লাগানোর আগে পুরানো শিকড় ছেঁটে ফেলতে হবে ও শুকিয়ে যাওয়া পাতা ফেলে দিতে হবে। তবে খেয়াল রাখতে হবে যে শিকড় ছেঁটে ফেলার সময়, সাকারের গোড়ার অঞ্চল যেন ক্ষতিগ্রস্ত না হয়।



ক



খ



গ



ঘ

(ক) সিসাল পাতা কাটা, (খ) পাতা ছাড়ানো, (গ) প্রাথমিক নার্সারিতে অন্তরবর্তী পরিচর্যা, (ঘ) জেরা রোগ নিয়ন্ত্রণের জন্য কপার অক্সিক্লোরাইড ২-৩ গ্রাম/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ





## सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

खरा प्रबन आदिवासी अधुषित अषधले सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था लाडजनकभावे करा येते पारे। एते चाषिर आय वाडवे, कर्मसंस्थान हवे ओ दीर्घमेयादि कृषि व्यवस्था पाओया यावे। एही व्यवस्थाय स्थानीय भावे पाओया विभिन्न धरनेर उँसके काजे लागिये ओ फसलेर अवशिष्टांश व्यवहार करे - यथेष्ठ आयेर संस्थान हवे। एही सिसाल भित्तिक खामार व्यवस्थाय फसलेर पाशापाशि विभिन्न प्राणी पालनेर व्यवस्था रेखे एही सुसंहत खामार व्यवस्था अर्थनैतिक भावे सफल ओ सार्थक भावे रूपायित हते पारे।

- १। एही खामारे १०० टि विभिन्न जातेर मुरगि येमन - बनराजा, रेड रुस्टार, कडकनाथ पालन करे ८,०००-१०,००० टाका निट लाड हते पारे।
- २। चाषिरा एही खामार व्यवस्थाय दुँटि गरू पालन करे प्रति बहर २५,००० टाका अतिरिक्त लाड करते पारेन। सिसालेर सडे अश्वरवती फसल हिसावे गोखाद्य चाष, एही गरूर खाओयार जन्य योगान देओया यावे।
- ३। एही व्यवस्थाय १० टि हागल पालन करे प्रति बहर आरो १२,०००-१५,००० टाका अति रिक्त आय हते पारे।
- ४। सिसालेर सडे दुँ सारिर माखाखाने ये उँचू जमिर धान (कादा ना करे शुधु चाष दिये) फलानो हवे, तार खड व्यवहार करे माशरुम चाषेर माध्यमे बहरे १२,००० टाका लाड हते पारे।
- ५। सिसाल चाषेर बर्ज ओ माशरुम तैरीर बर्ज व्यवहार करे भार्मिकम्पाष्ठ तैरी करे व्यवहार करा यावे, एते माटिर स्वास्थ भालो थाकवे ओ बहरे १८,००० टाका अतिरिक्त लाड हवे।
- ६। सिसाल साधारनत टालु ओ उँचू जमिने लागानो हय - तौ एही अवस्थाय वृष्टिर जल धरे लाडजनकभावे व्यवहार करा यावे। येहेतु एही अषधले एमनितेही अपेष्काकृत कम वृष्टि हय, तौ वृष्टिर जल धरार व्यवस्था करे - ए जल दिये अन्यान्य भावेओ आय वृद्धि हते पारे। एक हेक्टेर सिसालेर जमिर मात्र एक दशमांश एही जल धरार जन्य व्यवहृत हवे। एही जल धरार पुकुरेर माप हवे ३० मिटार-३० मिटार-१.८ मिटार, आर १.८ मिटार चओडा पाड हवे। एही पुकुरे जल धरे ये ये भावे व्यवहार करे लाडवान हओया यावे ता हलो -
  - सिसालेर सडे चाष करा अश्वरवती फसलेर संकटकालीन सेच एही पुकुरेर जल व्यवहार करे देओया यावे। एते एही सब फसलेर उँपदन ओ आय वाडवे।
  - एही जल व्यवहार करे सिसालेर आँश छाडानोर परे थोया यावे।
  - पुकुरेर पाडे विभिन्न उँचतार फसल येमन - पेपे, कला, नारकेल, सजने एवं अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति बहर १५,०००-२०,००० टाका आय हते पारे।
  - मिश्र माछ चाष पद्धतिते कातला, रुई, मृगेल चाष करे प्रति बहर १०,०००-१२,००० टाका आय हते पारे।
  - एही जले १०० टि हाँस पालन करे प्रति बहर प्राय ८००० टाका आतिरिक्त आय हते पारे।



उडिष्यार सखलपुर जेलार वामडाय सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था



घ) रेमि



- আবহাওয়ার পূর্বাভাস অনুসারে, আসামের রেমি অঞ্চলে (বিশেষত বরপেটা জেলায়) বজ্রবিদ্যুৎসহ মাঝারি থেকে ভারী বৃষ্টির সম্ভাবনা। রেমি জল জমা একদম সহ্য করতে পারে না, তাই রেমির জমিতে জল নিকাশি ব্যবস্থা করতে হবে।
- সময় মতো রেমি কাটা খুবই গুরুত্বপূর্ণ, তাই প্রতি ৪৫-৬০ দিন অন্তর রেমি কাটতে হবে। এর থেকে বেশি দেরি হয়ে গেলে, রেমির কান্ড সবুজ থেকে গাঢ় বাদামী রংয়ের হয়ে যায়, যা বাঞ্জুনীয় নয় এবং রেমি চাষিরা তা এড়িয়ে চলবেন।
- পুরানো জমির রেমির অসমান ভাবে বেড়ে ওঠা কান্ড সমান ভাবে বেড়ে ওঠায় সাহায্য করতে, কেটে দিতে হবে (স্টেজ ব্যাক) এবং তার পরে হেক্টরে ৩০-১৫-১৫ কিলো হিসাবে এন.পি.কে সার দিতে হবে।
- নতুন রেমির জমিতে, মাঝে মাঝে রেমি গাছ না থাকলে, ফাঁকা জায়গাগুলো নতুন রেমি চারা লাগিয়ে পূরণ করতে হবে।
- রেমির জমিতে ঘাস জাতীয় আগাছা দমনের জন্য কুইজালোফপ ইথাইল (৫ ইসি) ৪০ গ্রাম এ.আই প্রতি হেক্টরে প্রয়োগ করতে হবে।
- বিভিন্ন ধরনের পোকা যেমন - ইন্ডিয়ান রেড এ্যাডমিরাল ক্যাটারপিলার, হেয়ারি ক্যাটারপিলার, লেডি বার্ড বিটল, লিফ বিটল, লিফ রোলার, উঁই পোকা ইত্যাদির আক্রমণ হতে পারে। আক্রমণের মাত্রা বুঝে ক্লোরপাইরিফস ০.০৪ শতাংশ প্রয়োগ করার পরামর্শ দেওয়া হয়।
- এই সময়ে বিভিন্ন ধরনের রোগ যেমন - সারকোস্পোরা লিফ স্পট, স্কেলেরোশিয়াম রট, এ্যানথ্রাকনোজ লিফ স্পট, ড্যাম্পিং অফ এবং ইয়েলো মোজাইক রোগ দেখা দিতে পারে। আক্রমণের মাত্রা বুঝে ছত্রাকনাশক যেমন- ম্যানকোজেব ২.৫ মিলি/ লিটার বা প্রপিকোনাভোল ১ মিলি/ লিটার জলে দিয়ে প্রয়োগ করতে হবে।



রেমি রাইজোম লাগানো

নতুন রেমির খেত

রেমি কাটা হচ্ছে



রেমি কান্ড কাটার পরে পাতা ছাড়ানো

রেমির আঁশ ছাড়ানো

রেমি তন্তু (আঠা সহ) ছাড়ানোর পর রোদে শুকানো



**जमिर् स्र्वाभाविक स्थाने पाट पचानोर जलर सध्णय एवढ् दीर्घमेयादि परिवेशबाङ्कव खामार व्यवस्था**

- वृष्टिर् अनियमित वितरण, पाट पाचानोर जलर उपयुङ्क सर्वसाधारणेर पुकुरेर अभाव, माथाप्रति कम जलर योगान, चाषेर खरच ऒ कुषि श्रमिकेर मजुरि वृद्धि, पुकुर - नदी - नाला शुकिर ये ऒया इत्यादि विवेचना करे देखा यार, चाषिरा पाट ऒ मेस्ता पचानोते असुविधार समुथीन ह्छेहन। कम जले एवढ् सर्वसाधारणेर पुकुरेर मयला जले क्रमागत पाट पचानोर फले, पाटेर् आँशेर मान खाराप ह्छे एवढ् आनुर्जातिक बाजारे प्रतियोगिताय टिके थाकते पारहे ना।

**वर्षा आसार आगेई पाट पचानोर पुकुर तैरी सम्पूर्ण करते हवे**

- पाट काटा ऒ पचानोर मरशुमे जलर अभाव दूर करार जलर - वर्षा शुरुर् आगेई जून मासे जमिर् कोनार दिके स्र्वाभाविक निचू जायगाय ईह पाट पचानोर पुकुर तैरी करते हवे, येथाने मोट वृष्टिर् वये ऒया ७०-८० शतांश वृष्टिर् जल (या १२००-२००० मिलिमिटांर मतो हय) जमा हवे ऒ पाट एवढ् पचानोर काजे लागवे। एर फले पाट ऒ मेस्ता चाषे चाषिदर लाभ आरो बाडवे।

**पुकुरेर माप एवढ् एक एकर जमिर् पाट पचानोर जलर पचन पद्धति**

- पुकुरटिर् आकार हवे ८० फुट लम्बा, ७० फुट चठडा ऒ ५ फुट गतीर। एक एकर जमिर् पाट वा मेस्ता ईह पुकुरे दु'वार जाग देया यावे। पुकुरेर पाडू येथेष्ट चठडा (१.५-१.८ मिटांर) हवे, याते र्पेपे, कला ऒ सज्जि लागानो यार। ईह खामार प्रणालि/ व्यवस्थाय पुकुर ऒ तार पाडू निरये मोट आयतन १८० वर्ग मिटांर हवे। चाषिरा यदि ईह खामार प्रणालिते आरो वेशि परिमाने जमि व्यवहारे इह्छुक, ताहले पुकुरेर माप ५० फुट-७० फुट-५ फुट हते पारे।
- पुकुरेर ऒतरेर दिके १५०-७०० माइक्रनेर् कुषिते व्यवहार योग्य पलिथिन दिरये टेके दिते हवे याते पुकुरेर जल चुइरये वा निचे चले गिरये नष्ट ना हय।
- एकसङ्गे तिनटि जाक तैरी करते हवे एवढ् एक एकटि जाके तिटि करे सुत थाकवे। पुकुरेर तलार माटि थेके जाक २०-७० सेन्टिमिटांर उपरे थाकवे एवढ् जाकेर उपर २०-७० सेन्टिमिटांर जल थाकवे।

**जमिंतेई तैरी पचन पुकुरेर सुविधा**

- प्रचलित पद्धतिते पचानोर स्फेत्रे पाट केटे पचानोर पुकुरे वये निरये ऒयांर खरच एकर प्रति ८०००-५००० टाका ईह पद्धतिते साश्रय हवे।
- प्रचलित पद्धतिते १८-२१ दिने पाट पचे; किन्तु ईह नतून पद्धतिते एकरे १८ केज्जि क्रइज्जफ सोना व्यवहार करे १२-१५ दिने पाट पचे यावे। द्वितीय वार पचानोर समय क्रइज्जफ सोना अर्धेक लागवे एवढ् एते ८०० टाका खरच बाँचवे।
- पाट पचानोर जलर वृष्टिर् नतून धरा जल व्यवहार करले वा ई समय वृष्टि हले - धीरे वये चला जल पांया यावे एवढ् आँशेर गुनमान कमपक्के १-२ ग्रेड उन्नत हवे।

**तैरी करा पुकुरे पाट ऒ मेस्ता पचानो ह्छाडू वृष्टिर् धरा जल आरो विभिन्न उपाये व्यवहार करा यावे -**

- १। विभिन्न उच्चतार वागिचा फसल व्यवस्थार माध्यमे र्पेपे, कला, अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति ट्याक्के प्राय १०,०००-१२,००० टाका लाभ हवे।
- २। वायुते श्वास निते पारे एमन माह येमन - तिलापिया, मागुर, शिषि माह चाष करे ५०-६० केज्जि माह पांया येते पारे।
- ७। ईह व्यवस्थाय मोमाहि पालन करा यावे (प्रति ट्याक्के लाभ ९,००० टाका) एवढ् एते बीज उंपादने परागमिलने सुविधा हवे।
- ८। माशरुम चाष, भार्मिकम्पेाष्ट तैरी करे आय हते पारे।
- ५। ईह पुकुरे प्राय ५० टि हाँस पालन करे ५,००० टाका अतिरिङ्क आय हते पारे।
- ६। पाट पचानो जल, पाटेर् सङ्गे फसलचक्रे लागानो सज्जि ऒ अन्यान्य फसलर सेचेर जलर व्यवहार करा यावे एवढ् प्रति एकरे ८,००० टाका अतिरिङ्क लाभ हते पारे।

सुतरां जमिंते ईह पद्धतिते पुकुर वानिरये, मात्र १,०००-१,२०० टाकार पाटेर् स्फुति करे, चाषिरा अनेक धरनेर् फसल फलिरये, प्राणी-मंत्स-मोमाहि पालन करे प्राय ७०,००० टाका आय करते पारनेन। ह्छाडू ईह पद्धतिते चाषेर फले वहनेर् खरच प्राय ८,०००-५,००० टाका बाँचवे। सेई सङ्गे ईह प्रयुङ्क्ति, चाषबासे चरम आबहांयांर - येमन खरा, बन्या, घुर्षिबाडू इत्यादिर् स्फुतिकर प्रभाव कम करते सक्कम।





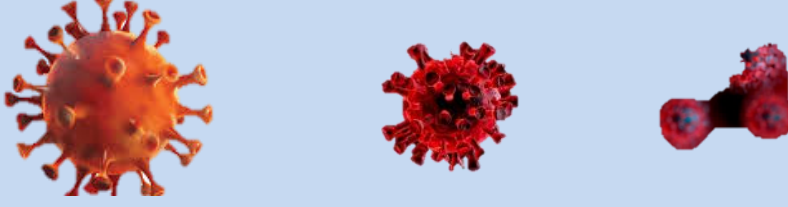
पाट ओ मेसुता चाषे जमिर स्वाभाविक स्थाने जलाधार भित्तिक परिवेशवाक्व स्वनिर्भर खामार व्यवस्था

- ❖ पाट/ मेसुता पचानो
- ❖ माह चाष
- ❖ पाडे सज्जि चाष
- ❖ पुकुरेर धारे भार्मिकम्पोसुत तैरी

- ❖ हांस पालन
- ❖ मोमाहि पालन
- ❖ फल वागिचा (पेपे ओ कला)



#### IV. कोरोना (COVID-19) भाईरसैर संकुरमण छुड़िये पड़ा ठैकाते ये ये निरापत्रामूलक ओ प्रतिरोध व्यवस्था ग्रहन करते हबे एवं मेने चलते हबे

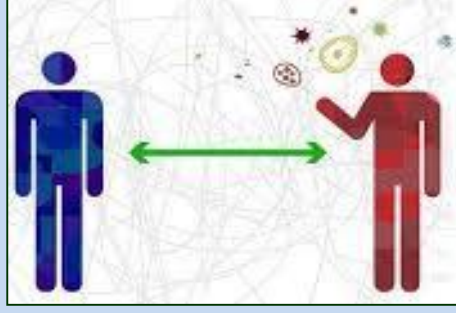


- 1। कुषकदेर चाषबासेर काजेर समय निरापत्रा व्यवस्था हिसाबे एक जनेर थेके आरेक जनेर सामाजिक दुरतव बजाय राखते हबे। चाषिरी जमी चाष, बीज बपन, आगाछा नियंत्रण, जलसेच देओया इत्यादि काजेर समय डाङ्गारि परामर्श मतो मुखोस (मास्क) परबेन, आर माबे माबे साबान-जल दिये हात धोबेन।
- 2। यखन एकई कुषि यन्त्रपाति येमन - लाङ्गल, ट्राङ्क्तर, पाओयार टिलार, बीज बपन यन्त्र, निडानि यन्त्र, जलसेचेर पाम्प अनेके मिले पर पर भागाभागी करे व्यवहार करबेन, तखन खेयाल राखते हबे एई यन्त्रपातिगुलि येन सठिकभाबे परिष्कार करा हय। कुषि यन्त्रपातिर ये ये अंश बार बार हात दिये स्पर्श करते हय, सेई अंशटा साबान जल दिये धुये निते हबे।
- 3। चाषेर काजेर फाँके अवसरेर समय, खाबार खाओयार समय, बीज शोषनेर समय एवं सार नामानो वा तोलार समय - पर्याप्त सामाजिक दुरतव (कम पक्षे 3-8 फुट) बजाय राखते हबे।
- 4। यातोटा संभव, कुषि काजे परिचित लोकेदेरई काजे लागान। ভালोभाबे खौज खबर नियेई सेई मजूर काजे लागाते हबे, याते कोनो कोरोना भाईरस वाहक कुषिकाजे आपनार अङ्गले चले आसते ना पावे।
- 5। बीज ओ सार परिचित दोकान थेके किनबेन एवं दोकान थेके फिरे आसार परेई साबान जल दिये ভালोभाबे हात धुये नेबेन। बाजारे बीज, सार इत्यादि किनते याबार समय अवश्यई मुखोस (मास्क) परबेन।
- 6। कोभिड-19 भाईरस रोग संक्रांत जरुरि स्वास्थ परिसेवा विषये तथ्य जानार जन्य आपनार स्मार्ट मोबाईले 'आरोग्य सेतु' नामेर एप्लिकेशन सफ्टओयार व्यवहार करुन।





## V. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल (जूट मिल) चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिये छोटो छोटो ब्याचे, वारे वारे शिफ्ट करे काज चलाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरी मावे मावे हात धुये निते पारैन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरी धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि वार वार परिसकार करते हवे, याते कर्मचारिरी रोगेर आक्रमणे ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाउस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवं अन्यान्य सुरक्षार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर जायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये परामर्श मतो सामाजिक दूरत बजाय থাকे।
- ये सम कर्मचारिदर यन्त्रपातिर (मेशिनर) अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाईज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाडां मेशिनर ओई जायगागुलो वार वार सावान जल दिये परिसकार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेक्षकृत फाँका वा भिड कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरी टिफिनर समय वा अवसरेर समय भिड करे एक जायगाय आसबेन ना एवं ७-८ फुट दूरत बजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कोनो मिल कर्मचारिरी ई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तवे तिनी अबिलखे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सडे योगायोग करबेन।



आपनादर सबाईके सुस्थ्य ओ निरापद थाकार जन्य शुभेच्छा जानाई

धारणा ओ प्रकाशनाः

डः गौराङ्ग कर,  
निर्देशक,  
भा.कृ.अनु.प - क्रिज्याफ,  
नीलगञ्ज, ब्यारकपुर,  
कोलकाता-९००१२१, पश्चिमबङ्ग

**Acknowledgement:** The Institute acknowledges the contribution of the Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads/ Incharges of Crop Production Division, Crop Improvement Division and Crop Protection Division, In-charges of AINP-JAF and Agril. Extension Section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their Division/ Section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge of AKMU, ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory [Issue No: 14/2022 (23 July – 6 August, 2022)].